

## नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

## समग्र राष्ट्रीय न्यायिक नीति; समय की जरूरत

नागरिक के अनुभव में भी भरोसेमंद बनेगा। दरअसल, लंबित मामलों की समस्या भारतीय न्यायपालिका की सबसे बड़ी चुनौती है। करोड़ों मामले वर्षों से विचारधीन हैं, जिससे न्याय में देरी का सामना स्थिति बन गई है। राष्ट्रीय न्यायिक नीति के अंतर्गत यदि मामलों के वर्गीकरण, प्राथमिकता निर्धारण और समय प्रबंधन के लिए स्पष्ट दिशा तय की जाती है, तो लंबित मामलों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। तथ्य और आंकड़ों के आधार पर नीति निर्माण न्यायिक प्रणाली को अधिक व्यावहारिक और परिणामोन्मुख बना सकता है।

न्यायिक सुधारों में तकनीकी भूमिका अब अनदेखी नहीं की जा सकती। डिजिटल सुनवाई ने यह सिद्ध किया है कि न्यायालय की कार्यवाही केवल भौतिक उपस्थिति तक सीमित नहीं है। वीडियो माध्यम से सुनवाई, अंकीय दस्तावेज और ऑनलाइन सूचना प्रणाली ने न्याय को

अधिक सुलभ बनाया है। इससे समय की बचत होती है और अनावश्यक स्थगन की प्रवृत्ति पर भी अंकुश लगता है।

परंतु तकनीक का लाभ तभी सार्थक होगा, जब वह सभी तक समान रूप से पहुंचे। यही डिजिटल समानता की मूल भावना है। आज महानगरों और उच्च न्यायालयों में तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन जिला और तहसील स्तर की अदालतें अब भी संसाधनों की कमी से जूझ रही हैं। राष्ट्रीय न्यायिक नीति यदि डिजिटल समानता को अनिवार्य लक्ष्य के रूप में अपनाती है, तो न्यायिक व्यवस्था में क्षेत्रीय असमानता कम होगी।

दरअसल, जन केंद्रित न्याय की अवधारणा इस सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है। आम नागरिक के लिए न्यायालय आज भी भाषा, खर्च और जटिल प्रक्रियाओं का प्रतीक बना हुआ है। यदि राष्ट्रीय न्यायिक नीति के माध्यम से सरल

भाषा, क्षेत्रीय भाषाओं में निर्णयों की उपलब्धता और मुक्ति अनुकूल व्यवस्था विकसित होती है, तो न्यायपालिका और समाज के बीच की दूरी कम होगी। न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि महसूस भी होना चाहिए।

न्यायिक सुधार लोकतंत्र की मजबूती से सीधे जुड़े हुए हैं। एक सक्षम, पारदर्शी और उत्तरदायी न्यायपालिका ही संवैधानिक मूल्यों की रक्षा कर सकती है। राष्ट्रीय न्यायिक नीति इस दिशा में सुधारों को निरंतरता और स्थायित्व देने का माध्यम बन सकती है। कुल मिलाकर भोपाल सम्मेलन ने यह संकेत दिया है कि न्यायपालिका अब परिवर्तन की आवश्यकता को स्वीकार कर रही है। अब चुनौती इस मंथन को ठोस नीति और प्रभावी क्रियान्वयन में बदलने की है। यदि राष्ट्रीय न्यायिक नीति संवैधानिक मर्यादाओं और सहमति के साथ आगे बढ़ती है, तो यह भारतीय न्याय व्यवस्था में एक नए युग की शुरुआत साबित होगी। दरअसल, केंद्र सरकार को इस सम्मेलन में प्राप्त सुझावों पर गंभीरता से विचार करके अमल में लाना चाहिए।

## विध्य की डायरी

## अपनी ही सरकार के सिस्टम पर देवसर विधायक का प्रहार



डॉ. रवि तिवारी

अभियान 2.0 की औपचारिक शुरुआत जिस सरकारी मंच से विकास के दावे गिनाने के लिए की गई थी, वही मंच अटल बिहारी सामुदायिक भवन बिलौंजी में सरकारी सिस्टम की पोल खोलने का अखाड़ा बन गया। देवसर से भाजपा विधायक राजेंद्र मेश्राम ने सैकड़ों लोगों और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में अपनी ही सरकार के तंत्र पर तीखा हमला बोला।

विधायक ने दो टूक कहा कि सरकारी फाइलों में जो विकास दिखाया जा रहा है, वह जमीनी हकीकत से कौनों दूर है। शिक्षा व्यवस्था को यहां कटघरे में खड़ा करते हुए कागजों में बच्चों का भविष्य सवारने की बात कही। वही स्वास्थ्य व्यवस्था पर माननीय विधायक के शब्द और भी तीखे थे। समुचित इलाज के नाम पर केवल योजनाओं का आकड़ा पेश किया जाता है। जिस समय विधायक बेबाक तरीके से सिस्टम की पोल खोल रहे थे उस समय मंच पर मौजूद अधिकारी असहज दिखाई दिये और जनता-जनार्दन ने तालियां बजाकर विधायक की के बयान का समर्थन किया। तालियों की गूंज सिस्टम के प्रति जनता की

नाराजगी की आवाज थी। अब सवाल यह उठता है कि जब सब कुछ ठीक चल रहा है तो फिर सत्तारूढ़ दल के विधायक को सार्वजनिक मंच से अपने ही प्रशासन को कटघरे में खड़ा करने की जरूरत क्यों पड़ी? विधायक द्वारा उठाए गए ये मुद्दे सिर्फ भाषण नहीं, बल्कि सिस्टम के लिए चेतावनी हैं। यदि अब भी कागजी प्रगति के सहारे काम चलाता रहा, तो योजनाएँ केवल मंचों और रिपोर्टों तक ही सीमित रह जाएंगी। जनता अब जवाब चाहती है और वह भी जमीन पर दिखने वाला।

## कांग्रेस दिखाएगी संगठन की ताकत

नगरीय निकाय चुनाव के पहले कांग्रेस बूथ स्तर पर संगठन की मजबूत कर अपनी ताकत दिखाने की तैयारी में है। आम जनता तक कैसे पहुंचें और लोगो को पार्टी संगठन से जोड़ने के लिये ग्राम पंचायत एवं वार्डवार कमेटियां गठित की जाएंगी। ताकि संगठन को मजबूत बनाकर आने वाले चुनाव में सत्ताधारी पार्टी से मुकाबला किया जाय। कमेटियां गठन की जिम्मेदारी ब्लाक और मण्डलम अध्यक्ष को दी गई है। निष्ठावान एवं पार्टी के प्रति समर्पण रखने वाले कार्यकर्ताओं को पहली प्राथमिकता दी जाएगी। खास बात यह है कि कमेटियों में हर जाति वर्ग एवं महिलाओं की भागीदारी होगी। बूथ स्तर पर कांग्रेस का संगठन नहीं है संगठनात्मक ढांचा बहुत ही कमजोर है और उसी कमजोरी को दूर करने के लिये अब पार्टी पंचायत एवं वार्ड स्तर पर कमेटियां बना रही है ताकि बूथ स्तर पर संगठन को पकड़ हो।

## ऑनलाइन गेमिंग की लत लेने लगी बच्चों की जान

पुलिस का कहना है कि इस तरह के गेम या तो सोशल मीडिया या फिर कुछ खास मोबाइल एप्स में खेले जाते हैं। अनुमान यह है कि ऐसे खेलों का संबंध डार्क वेब से है। इन गेम्स में गेम मास्टर वही अजनबी होता है जो खुद को कोरियार्ड या विदेशी नागरिक बताता है और बच्चों के साथ संपर्क में रहता है। पहले वह बच्चों से नरमी से पेश आता है और उनका भरोसा जीतने के बाद फिर उन पर सख्ती दिखाने लगता है, जब बच्चे गेम के आदी हो जाते हैं, तो वह उन पर हुकुम चलाने लगता और चैलेंज निरंतर कठिन करता रहता है। 50वें दिन खुदकुशी का चैलेंज होता है। कुछ वर्ष पहले ब्यू व्हेल चैलेंज गेम वायरल हुआ था, जब इसकी वजह से दुनियाभर से आत्महत्याओं की खबरें आने लगीं, तो इस पर अनेक देशों में प्रतिबंध लगा दिया गया। लेकिन एक बार फिर खतरनाक ऑनलाइन टास्क गेम्स वापस आ रहे हैं, जिससे पैरेंट्स के दिल दहल रहे हैं?

कोरियार्ड लव गेम, ब्यू व्हेल, ब्लैकआउट चैलेंज और साँट एंड आइस चैलेंज ऑनलाइन प्रकट हो रहे हैं। उनका संबंध चिंताजनक नतीजों से जोड़ा जा रहा है। अतः यह फिर से प्रसंगिक हो गया है कि बच्चों के लिए इंटरनेट वास्तव में कितना सुरक्षित है? दरअसल, इस समस्या का समाधान यह नहीं है कि कुछ खतरनाक ऑनलाइन गेम्स पर प्रतिबंध लगा दिया जाए

## गाजियाबाद में 3 बहनों की खुदकुशी



गाजियाबाद जिले के साहिबाबाद की भारत सिटी की 9वीं मंजिल के अपने अपार्टमेंट से लगभग 2.15 बजे तीनों बहनों ने एक साथ अपने अपार्टमेंट की बाल्कनी से नीचे छलांग लगा दी। तीनों की मौत हो गई। इन लड़कियों को कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन गेमिंग की लत पड़ गई थी, जिसे वह लगभग बिना ब्रेक के खेलती थीं। उन्हें विशेषरूप से कोरियार्ड लव गेम की लत थी। कोरियार्ड लव गेम जैसे मोबाइल गेम्स में बच्चे अजनबियों से बातें करते हैं। दोस्ती की बातों से शुरू होने वाला गेम गेम मास्टर के खौफनाक खेल में बदल जाता है। बच्चों को अलग-अलग टास्क दिए जाते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक आखिर में 50वें दिन होता है खुदकुशी का चैलेंज। इस दौरान बच्चों को धमकाया भी जाता है।

बल्कि यह है कि बच्चों व किशोरों की इंटरनेट तक पहुंच पर विराम लगा दिया जाए। दुनिया बच्चों के लिए सोशल मीडिया की सीमा निर्धारित कर रही है। अब समय आ गया है कि भारत भी ऐसा ही करे।

हम एक उम्र का होने पर ही किसी को डाइविंग लाइसेंस हासिल करने की अनुमति देते हैं और इस प्रकार की समय सीमा अन्य चीजों पर भी है, जैसे शराब पीना या विवाह करना। यह आयु सीमाएं विज्ञान आधारित, विशेषकर मानव दिमाग की संरचना से संबंधित हैं। प्री-फ्रंटल कोर्टेक्स दिमाग का वह हिस्सा है, जो निर्णय, योजना, आवेग

नियंत्रण व दीर्घकालीन नतीजों की समीक्षा के लिए जिम्मेदार है। यह हिस्सा बचपन या किशोरावस्था में पूर्णतः विकसित नहीं हो पाता है।

न्यूरी वैज्ञानिक शोध से मालूम होता है कि प्री-फ्रंटल कोर्टेक्स 25 साल की आयु तक पूर्णतः विकसित नहीं हो पाता है। विकास की इस समय सारणी से स्पष्ट हो जाता है कि किशोर आवेग व्यवहार, भावनात्मक अस्थिरता और साधियों के प्रभाव का अधिक शिकार क्यों होते हैं? आज 8-10 साल के बच्चों के हाथ में मोबाइल फोन है और वह बिना रोक-

टोक सोशल मीडिया को एक्सेस कर रहे हैं। यह डिजिटल लैंडस्केप इस तरह से डिजाइन किए गए हैं कि ध्यान आकर्षित करें, भावनात्मक कमजोरियों का शोषण करें। अब दुनियाभर की समझ में आ रहा है कि बच्चों के लिए अप्रतिबंधित सोशल मीडिया एक्सेस गंभीर समस्या है। पिछले एक वर्ष के दौरान अनेक देशों ने इस संदर्भ में ठोस निर्णय लिए हैं।

सबसे पहले पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया ने प्रतिबंध लगाया कि 16 बरस से कम के बच्चे सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं कर सकते और लाखों नाबालिग बच्चों के एकाउंट्स टिकटों, इंस्टाग्राम, फेसबुक, स्नैपचैट, यू-ट्यूब व अन्य प्लेटफॉर्म से हटा दिए गए। अब फ्रांस की नेशनल असेंबली ने 15 साल से कम के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंधित किया है। अन्य यूरोपीय देश जैसे डेनमार्क, स्पेन, जर्मनी आदि भी इसी दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। मलेशिया ने घोषणा की है, वह 2027 में 16 साल से कम के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा देगा, जबकि मिस्र इसे चर्चिजटल अव्यवस्था कहते हुए इस पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रहा है। अगर गाजियाबाद जैसी दुखद घटना को पुनः होने से रोकना है, तो वैश्विक ट्रेंड के संग चलना ही होगा।

नरेंद्र शर्मा

## वकील के रूप में ममता की दलील

ममता बनर्जी संभवतः पहली मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने वकील के रूप में सुप्रीम कोर्ट में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ तर्कपूर्ण मुद्दों के साथ जिन्हें की। यह कोई झुमा नहीं था क्योंकि ममता स्वयं विधि स्नातक या लॉ ग्रेजुएट हैं और उनकी दलील है कि एसआईआर की वजह से उनके राज्य बंगाल के साथ भारी अन्याय हो रहा है। यदि किसी लड़की को शादी के बाद उसको अपना सरनेम बदलकर पति का सरनेम लगाना पड़ता है, तो इस बदलाव के कारण मतदाता सूची से उसका नाम हटा दिया जाता है। इसके अलावा बंगाली सरनेम या उपनाम ब्रिटिश शासन के दौरान संक्षिप्त हुए हैं जैसे कि बंदोपाध्याय, मुखोपाध्याय, चट्टोपाध्याय को क्रमशः बनर्जी, मुखर्जी और चटर्जी कहा जाने लगा। इसलिए पूर्वजों और अगली पीढ़ी के सरनेम में बदलाव आ गया। ठाकुर को टैगोर लिखा जाने लगा। यदि एसआईआर का काम करने वाले बीएलओ को व्यक्ति

का सरनेम उसके पिता या दादा से अलग नजर आया तो उसका नाम वोटर लिस्ट से काट देगा।

इसके अलावा बांग्ला में उच्चारण भी अलग है। भट्टाचार्य को वहाँ भट्टाचारी तथा बंदोपाध्याय को बंदोपाध्याय कहते हैं। बांग्ला में च्च-अक्षर नहीं है वह च्च-बन जाता है। वहाँ नवीन को नबीन पुकारेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने आश्चर्य किया कि वह स्पेलिंग की वजह से होने वाले विवाद को हल करेगा। ममता बनर्जी ने वकील के रूप में कहा कि न्याय बंद दवाजों के पीछे रो रहा है। मुझे 5 मिनट बोलने का समय दीजिए। हम समस्या का समाधान चाहते हैं और अपने दायित्व से पीछे नहीं हटेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त को 6 बार लिखा गया लेकिन एक जवाब भी नहीं मिला। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि हम आपको 15 मिनट देंगे। आपके पास देश के सबसे वरिष्ठ वकील मौजूद हैं।

चाहते हैं और अपने दायित्व से पीछे नहीं हटेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त को 6 बार लिखा गया लेकिन एक जवाब भी नहीं मिला। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि हम आपको 15 मिनट देंगे। आपके पास देश के सबसे वरिष्ठ वकील मौजूद हैं।

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

**CROSS WORD 12164** - डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4	5	6	7
8				9		
10		11	12			
	13			14		
	15		16	17		
18		19			20	
21		22		23	24	
	25				26	

अशुद्ध (उर्दू) 26. समूह, लोगों का गुट, फूल की पंखुड़ी  
ऊपर से नीचे  
1. घबराहट, हिचक 2. सेना के लिए खाद्य सामग्री, राशन (उर्दू) 3. बनाने वाला, अगर (उर्दू) 4. निर्वाचन में प्रतिनिधि चुनने के लिए मत देने की क्रिया या भाव 5. भरपूर-पोषण करना, हिंडोला 6. स्वाद, फलों आदि का निचोड़ा हुआ अंश 7. अनादि काल, बहुत दिनों से चली आई परंपरा, शाश्वत 12. कोलाहल, गड़बड़ी 13. ज्ञान या बोध न होने का भाव 14. प्रवाह, दफा 15. गन्धन, चलना, एक स्थान से दूसरे स्थान को आने-जाने के साधन (कम्युनिकेशन) 17. पारिश्रमिक लेकर खरीदने-बेचने में सहानुता देने वाला, मध्यस्थ (उर्दू) 18. पीव, सामग्री (उर्दू) 20. निष्कपट, सीधा-सादा, सुगम 22. भूमि जोतने का उपकरण 24. सीमा, मर्यादा (उर्दू)

**Solution 12163**

स	भा	पा	ट	क	र	च
दि	न	क	र	सा	द	र
नी	क	ट	ह	ल	सा	र
	डु	ला	र	सा		
भा	र	ना	ना	ख	ज	ह
र	च	ना	सू	द	ट	
क	र	पु	न	भ		
पा	र	सा	सा	सा	सा	सा

बाएं से दाएं  
1. संगीत में सात स्वरों के उतार-चढ़ाव का क्रम, स्वरग्राम 5. एक कल्पित शब्द जिसके लोहा छुआने से सोना बन जाता है 8. व्यायाम, बहुलता (उर्दू) 9. चिपकाना, चपकाना 10. पांव, पैर 11. तोप, बंदूक आदि का छोड़ना 13. आग, अग्नि (सं.) 14. शांति जिसमें से चावल निकलता है 15. चेतना, होश, व्याकरण में वह विकारी शब्द जो किसी कल्पित या वास्तविक वस्तु का बोध होता है (सं.) 16. बादल, मेघ 18. मंच, चार लठ्ठी पर बांधकर बनाया गया ऊंचा स्थान 19. चना या दुलारा लड़का 21. चोट, आघात, हमला, सप्ताह का दिन 23. हिलो, तरंग 25. अस्तव्य,

## ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

## आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में विशेष परिश्रम करना होगा, वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग रहेगा, आर्थिक लाभ होगा, व्यर्थ वाद विवाद रहेगा, मित्र के कारण कार्यों में बाधाओं का सामना करना पड़ेगा, वर्ष के मध्य में मतभेद रहेगा, पारिवारिक परेशानी में वृद्धि होगी, मान सम्मान के प्रति सतर्क रहें, स्वजनों से मतभेद होगा, शारीरिक कष्ट और मानसिक चिन्ता रहेगी, वर्ष के अन्त में शासन सत्ता का लाभ होगा, व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा।

मेघ - पारिवारिक सुख सहयोग, मान सम्मान में वृद्धि होगी। वाद विवाद को टालना हितकर रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी।  
कन्या - उत्तम भोजन से विशेष प्रसन्नता होगी। कार्य क्षेत्र में विवाद से बचना चाहिये। किसी धार्मिक यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है। नजदीकी सहयोगी का सहयोग प्राप्त होगा। तुला - व्यवसाय व्यापार में सफलता, धन का लाभ, मान सम्मान में वृद्धि होगी। लोकप्रियता में वृद्धि होगी। क्रिया गया प्रयास सफल होगा। आवश्यक वस्तुओं की प्राप्ति होगी।  
वृश्चिक - मित्रों का सहयोग बना रहेगा।  
कर्क - शत्रुओं की पराजय होगी। आय में वृद्धि होगी। वैभव विलासिता को वृद्धि होगी। शिर व्यक्त से भेंटवार्ता होगी। शारीरिक अस्वस्थता रहेगी।

सिंह - पारिवारिक सुख सहयोग, मान सम्मान में वृद्धि होगी। वाद विवाद को टालना हितकर रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी।  
धनु - धार्मिक रूचि में वृद्धि होगी। यात्रा में विघ्न बाधा उपस्थित होगी। पूरुष व्यक्ति की सलाह लाभदायक उपयोगी रहेगी। मान सम्मान प्राप्त होगा। संयम रखें।  
मकर - राजनीतिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। निजी कार्यों को टालने से समस्या बनेगी। व्यापार व्यवसाय में उन्नति होगी। स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा।  
कुम्भ - बुजुर्गों का मार्गदर्शन लाभकारी रहेगा। मांगलिक कार्यों में खर्च होगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। व्यर्थ वाद विवाद से बचें। मनोनुकूल कार्य बनेंगे।  
मीन - आय कम, व्यय अधिक होगा। राजनीतिक कार्यों से लाभ होगा। उद्देश्य पूर्ण का योग है। मानसिक सुख और संतोष बना रहेगा।

## आज जन्म शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया सुन्दर, शांतिप्रिय, व्यक्तित्व का धनी होगा। अपने कार्यों के प्रति सजग रहने वाला ईमानदार व लोकप्रिय होगा। शिक्षा उत्तम रहेगी। कला, साहित्य और अध्ययन में विशेष रूचि रहेगी।

धनु - धार्मिक रूचि में वृद्धि होगी। यात्रा में विघ्न बाधा उपस्थित होगी। पूरुष व्यक्ति की सलाह लाभदायक उपयोगी रहेगी। मान सम्मान प्राप्त होगा। संयम रखें।  
मकर - राजनीतिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। निजी कार्यों को टालने से समस्या बनेगी। व्यापार व्यवसाय में उन्नति होगी। स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा।  
कुम्भ - बुजुर्गों का मार्गदर्शन लाभकारी रहेगा। मांगलिक कार्यों में खर्च होगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। व्यर्थ वाद विवाद से बचें। मनोनुकूल कार्य बनेंगे।  
मीन - आय कम, व्यय अधिक होगा। राजनीतिक कार्यों से लाभ होगा। उद्देश्य पूर्ण का योग है। मानसिक सुख और संतोष बना रहेगा।

## निशानेबाज

## शरद पवार के पुराने हुए दांव-पेंच देवाभाऊ की राजनीति काफी तेज



कामयाब हो जाती है। पहले तो ऑपरेशन लोटस के तहत बीजेपी ने अजीत पवार को उनके चाचा से अलग कर

एनसीपी को विभाजित करवा दिया था। इसके भी पहले 48 घंटे की सरकार का प्रयोग देवेन्द्र फडणवीस ने किया था। अभी शरद पवार की कुल जमापूंजी केवल 10 विधायकों की रह गई है।

पड़ोसी ने कहा, सबसे बड़ा कूटनीतिक पराक्रम तो देवाभाऊ ने यह दिखाया कि एनसीपी के एकीकरण या विलय के गुब्बारे में अपने तरीके से पिन टॉच दी जिससे वह फूल ही नहीं पाया। अजीत पवार के विमान दुर्घटना में निधन के बाद शरद पवार को संभलने का मौका न देते हुए तुरंत सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलावा दी। अब अजीत की विरासत संभालते हुए पार्टी प्रमुख भी सुनेत्राताई ही रहेंगी। शरद पवार की हालत खाली या चुके हुए कार्टूस जैसी हो गई है। देवेन्द्र अपनी चाल बड़ी तत्परता से चलते हैं। पहले शिवसेना और फिर एनसीपी को तोड़ना तथा बीजेपी को महाराष्ट्र की भारी जबरदस्त पार्टी बनाने का कमाल देवाभाऊ ने दिखाया है। ऐसे में शरद पवार कर भी क्या सकते हैं!

**SUDOKU 7296**

6			7					
	8	2				7	5	
4			3				6	
7	1		2			5		
8			4				3	
2		8				9	6	
2			8			3		
4	3					9	8	
		3						9

रा.मि. 20 संवत् 2082  
फल्गुन कृष्ण अष्टमी चन्द्रवासे  
दिन-रात, विशाखा नक्षत्रे दिन-रात, वृद्धि योगे रात 1/19, बालव करणे सू.उ. 6/29, सू.अ. 5/31, चन्द्रचार तुला रात 1/23 से वृश्चिक, शु.रा. 7,9,10,1,2,5 अ.रा. 8,11,12, 3,4,6 शुभांक-9,2,6.

पंचांग

रा.मि. 20 संवत् 2082  
फल्गुन कृष्ण अष्टमी चन्द्रवासे  
दिन-रात, विशाखा नक्षत्रे दिन-रात, वृद्धि योगे रात 1/19, बालव करणे सू.उ. 6/29, सू.अ. 5/31, चन्द्रचार तुला रात 1/23 से वृश्चिक, शु.रा. 7,9,10,1,2,5 अ.रा. 8,11,12, 3,4,6 शुभांक-9,2,6.

त्यापार भविष्य

फल्गुन कृष्ण अष्टमी को विशाखा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, पीतल, कांसा, अरंडी के भाव में नरमी रहेगी. गुड, खांड के भाव में समानता रहेगी. भाग्यांक 3721 है.

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरने वाले आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें। पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते। पहली का केवल एक ही हल है।

**नवभारत सूट-टैक 7295**

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
4	6	1	5	4	7	3	2	9
6	8	3	6	2	9	1	5	7